बोले राधे श्याम दीवानी
हो बोले राधा श्याम दीवानी
पी का मुखड़ा भोर सुहानी
प्रीत बिना है जीवन ऐसे
प्रीत बिना है जीवन ऐसे
जैसे नदिया हो बिन पानी
गोविन्दम गोविन्दम
गोविन्दम भज मेरे मना
गोविन्दम गोविन्दम
गोविन्दम गोविन्दम
मेरे मना मेरे मना मेरे मना

मन का नाता मन का बंधन
इतना प्यारा कितना पावन
मन का नाता

मन का नाता मन का बंधन
कितना प्यारा कितना पावन
कई योगों से जनम जनम से
मैं मोहन की मेरा मोहन
गोविन्दम गोविन्दम
गोविन्दम भज मेरे मन
गोविन्दम गोविन्दम
गोविन्दम गोविन्दम

गोविन्दम गोविन्दम
गोविन्दम गोविन्दम
मेरे मना मेरे मना मेरे मना
गोविन्दम गोविन्दम
गोविन्दम गोविन्दम
गोविन्दम गोविन्दम